

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग  
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय  
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-१६

दिनांक-मंगलवार, २६ फरवरी, २०१६



**विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन**

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.४ एवं १२.० डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८३ सुबह में एवं दोपहर में ४७ प्रतिशत, हवा की औसत गति ४.६ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ३.० मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ६.० घंटा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १६.५ एवं दोपहर में २६.८ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

(२७ फरवरी से ३ मार्च, २०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २७ फरवरी से ३ मार्च, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- उत्तर बिहार के जिलों में अगले ४८ घंटों में गरज वाले बादलों के बनने के साथ हल्की वर्षा की संभावना है।
- अधिकतम तापमान २५ से २८ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान १२ से १४ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन ५-१० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चल सकती है। हालांकि ३ मार्च में पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

**समसामयिक सुझाव**

- अगले ४८ घंटों में हल्की वर्षा की संभावना को देखते हुए किसान भाई कृषि कार्यों में सतर्कता बरतें। इस दौरान आलू की खुदाई एवं सरसों की कटाई सावधानी पूर्वक करें। फसलों में कीटनाशक दवाओं का छिड़काव मौसम साफ रहने पर ही करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ आदि की बुआई करें। प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट की देख-रेख करें।
- हरा चारा के लिए ज्वार की बुआई करें। इसकी स्वीट ज्वार या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मेष या बोरी की फसल जरूर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करें।
- गरमा मक्का की बुआई के लिए वैसी निचली भूमि का चयन करें जहाँ सिंचाई की सुविधा सुनिश्चित हों। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १०-१५ टन गोबर की खाद, ५० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १, २, ३, ४ एवं शक्तिमान ५ किस्में अनुशंसित हैं। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में २० किलोग्राम नेत्रजन, ४५ किलोग्राम स्फुर, २० किलोग्राम पोटास तथा २० किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, सम्राट, एस०एम०एल०-६६८, एच०यू०एम०-१६ एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-१६, पंत उरद-३१, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुशंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु २०-२५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु ३०-३५ किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- सूर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पूर्व १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३० किलोग्राम नेत्रजन, ८० किलोग्राम स्फुर, ४० किलोग्राम पोटास प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुशंसित हैं। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करें।
- इस मौसम में लाही कीट के विस्तार की संभावना अधिक रहती है। अतः पिछात सरसों, पिछात फूलगोभी, पत्तागोभी अन्य सब्जियों की फसल में इस कीट की निगरानी करें। फसल में इस कीट का प्रकोप दिखने पर बचाव के लिए डाईमिथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर समान रूप से छिड़काव करें।
- अरहर की फसल में फल-छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट के पिल्लू अरहर की फलियों में घुसकर बीजों को खाती है, जिससे उपज में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- पिछात आलू की फसल जो कृषक बंधु बीज के लिए रखना चाहते हैं उसकी ऊपरी लत्तर की कटाई कर दें।

आज का अधिकतम तापमान: २८.० डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से ०.८ डिग्री अधिक

आज का न्यूनतम तापमान: १३.० डिग्री सेल्सियस,  
सामान्य से १.६ डिग्री अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)  
नोडल पदाधिकारी